श्रीरामजयम्

ॐ सद्गुरुश्रीत्यागराजस्वामिने नमो नमः।

॥ सद्गुरुश्रीत्यागब्रह्मप्रपत्तिस्तुतिः ॥

ॐ त्यागराजय विद्महे। भक्ताश्रयाय धीमहि। तन्नो गुरुः प्रचोदयात्॥

सरससङ्गीतभास्कर परमसुज्ञानभास्वर
लडहरागस्वरार्णव सदयरामप्रियार्णव ।
शमनसप्तस्वरालय महितनामस्वरालय
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ १॥

सहजसद्दर्शनायुत सततसत्तारकारत
सवनसंरक्षदर्शन सततसच्चित्तदर्शित ।
गुरुवरत्यागराजग वरकृतिस्तोत्ररामग
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ २॥

प्रणवनादोपदेशन प्रणतभक्तार्थसाधन
प्रणतबाधाप्रशामन परमशान्तिप्रदायन।
परमसद्भक्तिबोधन वरसुसङ्गीतबोधन
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ३॥

सुगुणकाकर्लवंशज[1] सगुणकाकुत्स्थराजग[2]
रुचिरपञ्चापगास्थल सुचिरसत्कीर्तनस्थिर।
वरसुसत्त्वप्रबोधन वरगतत्त्वप्रबोधन
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ४॥

[1]Sadguru Sri Tyagabrahmam

[2]Sri Rama

मुनिसुवर्नारदांशग स्वररहस्योपदेशग
सुमुनिदत्तस्वरार्णव[3] विदितदिव्यस्वरार्णव।
स्वरसुसूक्ष्मप्रकाशन वरसुगान्धर्वगायन
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ५॥

विमलसच्चित्ततेजस विबुधसंतोषगारस
पवनजस्तोत्रपात्रग वनजनेत्रस्वभावग ।
अवनिजाजानिगायन नवनवामिष्टकीर्तन
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ६॥

सुमुखतेजोजितार्कच[4] नयनदीप्तिस्फुरज्ज्वल
रसननामस्वराङ्कित गललयामञ्जुतुम्बर।
करसुमानादझल्लक सुपदमञ्जीरझंझण
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ७॥

भजनसङ्गीतहर्षण भजनसन्मार्गदर्शन
भजननामप्रकीर्तन भजनरामप्रलीनग।
भजनसङ्कीर्तनारम भजनसानन्दनर्तन
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ८॥

श्रुतिलयारामगायक भजनगारामतारक
सुकृतिगङ्गाप्रसारग प्रकृतिरामस्वरूपग।
भजनसत्कीर्तनानट भजनतेजोमयानट
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ९॥

उरगशय्योपचारग वरदराजस्वरागग
परमसद्भक्तिरूपक तुरगसम्पूरतारक।
वरमृदुस्वादुगायन अतिमृदुस्वादुभाषण
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ १०॥

[3]The treatise on music स्वरार्णव, given to the Saint by the celestial Narada

[4]चः = Moon

अमितमाधुर्यसुस्वर वदनवाणीनटस्वर
रमितरामायणावर रमणरामानुगावर ।
अनुदिनागीतरामक अनुदिनापूज्यदैवक
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ११॥

जननरोगादिहारग जनितरामाभिरामग
जनकजामातृशौर्यग जनकजाकान्तकान्तिग।
जनिकरामप्रतापग जयकरश्रीपनामग
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ १२॥

दशरथानन्दनन्दन दशमुखारिप्रगायन
दमशमादिस्वरूपक दमनसङ्गीतरूपक।
दनुजसंहारहारग दुरितसंवाहमन्त्रग
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ १३॥

निगमसत्सारसारग निधितिरस्कारपण्डित[5]
निगमसञ्चारनामग निखिलसद्धाररामग।
स्वरलयस्वादुकीर्तन स्वरसुधामिष्टपायन
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ १४॥

उपनिषद्वेदगूढग जपितसंसारतारक
तपनवंशोद्भवारत जपनमन्त्रस्वरायुत।
शतसहस्रायुताजप[6] जपितमन्त्रस्वरूपग[7]
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ १५॥

वरकृतिक्षामपूजन वरनुतिक्षौमगायन
स्वरकुटीरस्थमावर वरगुणग्रामगारम।
सुरभिसङ्गीतमोहन सुरभिपुष्पार्चनारम
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ १६॥

[5]Refers to an episode in the Saint's life when he rejected the huge riches offered by the king to sing in his court

[6]Refers to his *japa* of *Śrī Rāma mantra* 96 crore times

[7]Refers to his getting *Śrī Rāma darśanam* and his ecstatic singing of Sri Rama's *svarūpa* (*Kṛti: Elanīdayarādu* in *rāga aṭāṇa*)

स्मरणसौख्याभिरामग स्वरसमुद्रप्लवारम
स्मृतसुसीतामनोहर स्वरितनामस्वराक्षर।
शरदवर्णातिरागग शरधिपूर्णानुरागग
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ १७॥

स्वररसाचारुगारव वररवाहूतराघव
सततसम्मग्नगारस सततमाध्यातसारस।
श्रुतिलयारामरामग द्युतिमयापूर्णपूर्णग
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ १८॥

नृपतिरामस्वमानस सफलनामस्वगारस
ग्रहबलानिग्रहालय सहजतेजोमयालय।
सहजसद्ध्यानसालय सहरिजित्सुप्रभालय
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ १९॥

रविशशिस्मेरनेत्रग कविनमस्कारकीर्तन
इनकुलस्वामिसेवन सनकसन्नुतगायन।
कनकतेजस्कगात्रग कनकचेलस्वगोत्रग
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ २०॥

कविरसागीतकृष्णक सुमनआराध्यकृष्णग
नडहनौकाचरित्रग[8] हरिसुपादप्रपत्तिग।
मधुरवेणुस्वरस्वग प्रणुतगागोपिकारम
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ २१॥

कविमनःस्फूर्तिबीजक कविरसस्यन्दगायक
छविलसत्सुस्वरार्थग रविकुलाब्धिस्फुरच्चग।
दिविजसङ्गीतसालय दिविजगान्धर्वगायन
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ २२॥

[8]Refers to the Saint's opera *Naukacaritram*, in which he describes with poetic beauty the sojourn of the *gopī*s with the child *Kṛṣṇa* by boat in the Yamuna

स्फुटसुसङ्गीतहल्लक स्फुरदखण्डार्थदीपिक
अमितसुज्ञानहिम्यद अमितकृत्यौघगङ्गिक।
तरणिवंशप्रभूतग धरणिजाभाग्यभावग
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ २३॥

वरमहास्थैर्यहैमद सुरगणापूज्यविष्णुग
सरलसंवाहगाऽमृत सुरसगावाहगङ्गिक।
स्वररसावर्षगानत स्वरलयामिश्रिताक्षर
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ २४॥

सुमतिसम्पादगायक कुमतिविद्वद्विदूरग
सुयतिशान्त्योपयुक्तग विरतिसद्भक्तियुक्तग।
सुहृदयाह्लादरामग वरसुहृत्सारसावर
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ २५॥

परमवैराग्यशीलग परमशान्तिस्वमूर्तिग
इहपरस्वार्थरामग गहनसंसारतारग ।
रघुवरश्रेष्ठगायक हरिहरस्मेरगीतिक
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ २६॥

मधुरसद्ज्ञानवारिज परुषशब्दातिरोगह
मधुरसामिष्टगायन स्वरलयश्रेष्ठपाठन।
मलिनचिद्वृत्तिनाशन पतितवैकल्यधावन
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ २७॥

कुभवपाशप्रणाशन सुभगनामप्रकाशन
सुभवजप्तस्वरामग सुभवसम्प्रीतनामग ।
प्रभवरामप्रभावग खभवगङ्गाप्रवाहग
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ २८॥

क्षमितभक्ताघसङ्चय चरणसंश्लिष्टपावन
शमितसच्चित्तसालय नमितभक्तान्तरालय।
जपितमन्त्रोपदेशन जपितनामोपगापन
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ २९॥

मननसन्मानसारम नमनवाक्चित्तपूरण
भजनसाराधनारत नवननामोपगारत।
चरणसङ्ग्राह्यनुग्रह करधृतप्रीतिनायक
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ३०॥

विविधरागस्वराक्षर विविधसत्कीर्तनस्फुर
सहजसंस्फोटकीर्तन कृतिलयस्फूर्तिकीर्तित।
स्फुरितसन्नूतिमण्डल स्फुटनुतिस्तोममण्डित
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ३१॥

भजनसम्पूजनारत सुमनआराधनारत
भजकसद्गीतिभावक मधुरवाणीरसावह।
प्रचुरवात्सल्यभृत्यप सुभगदृष्टिप्रसादक
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ३२॥

जननसंसाररोगह मरणभीत्याद्यपोहन
चरणसंध्यातृसस्थिर शरणमागन्तुधारण।
स्मरणसाध्यानपोषण भजकसात्मीकरावन
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ३३॥

धृतिसुपद्यप्रसाधित धृतिसुपद्यप्रभासन
धृतिगृहीतप्रसादक धृतिगृहीतप्रणायक।
धृतिमयागीतपूजित धृतिमयासङ्गनुग्रह
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ३४॥

सततत्थ्योपचारित नियतनित्योपचारित
सुमनआराधितार्चित सलयसत्त्वोपगापित।
सहजभक्तिस्तवार्चित सहजभक्त्योपवीणित
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ३५॥

सततमात्मारमालय सततरामोपगालय
सततसद्ज्ञानसालय सततशिष्यास्मरालय।
सततसन्नूतिगालय सततिमच्छ्वासमिश्रित
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ३६॥

सततनादस्वरालय सततरामस्वरालय
सततसङ्गीतसार्चित सततयुक्तस्मरार्चित।
सततपुष्पालयस्थित सततपुष्पामनःस्थित
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ३७॥

शरणमारामरामग शरणमाश्वेतमानस
शरणमागाधभक्तिग शरणमागाधभक्तिद।
शरणमज्ञानवारह शरणमन्तर्लयावह
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ३८॥

गुरुवरश्रैष्ठ्यदायक रघुवरप्रेमभावक
मृदुतरस्वादुगापन चिरतरापूर्णभक्तिद।
सततसज्ज्ञानपुष्टिद निरतसुज्ञानतुष्टिद
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ३९॥

शुभदसङ्गीतदैवत प्रणुतसीतापमङ्गल
प्रणतसर्वार्थमङ्गल प्रणयिसन्नादमङ्गल।
सकलसौभाग्यमङ्गल सततमानन्दमङ्गल
शरणमाचार्यदैवत शरणमाचार्यदैवत ॥ ४०॥

मङ्गलं त्यागराजाय मदाचार्याय मङ्गलम्।
शरणागतरक्षाय मत्सर्वस्वाय मङ्गलम् ॥

त्यागराजगुरुस्वामिशिष्यापुष्पाकृतस्तुतिः।
गुरुप्रेरणसङ्गीता गुर्वाशीर्वादमङ्गला ॥

इति सद्गुरुश्रीत्यागब्रह्मप्रपत्तिस्तुतिः गुरुचरणपुष्पे
गुरुशरणार्थिपुष्पया समर्पिता ॥

ॐ

शुभमस्तु